## कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम और विनियमन समिति

***पृष्ठभूमि**: केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) द्वारा गठित समिति का पहला सत्र सम्पन्न हुआ, जिसका उद्देश्य कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापनों से निपटने के लिए दिशानिर्देश तैयार करना है।*

### समिति का गठन और संरचना:

- केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) ने कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापनों को संबोधित करने के लिए दिशानिर्देश विकसित करने के उद्देश्य से समिति की पहली बैठक आयोजित की।
- समिति का नेतृत्व अध्यक्ष श्री रोहित कुमार सिंह कर रहे हैं और इसमें CCPA आयुक्त, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DOPT), शिक्षा मंत्रालय, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (NLU), दिल्ली, FIITJEE, खान ग्लोबल स्टडीज, इकिगई लॉ और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (LBSNAA) के प्रतिनिधि शामिल हैं।

### दिशानिर्देशों का उद्देश्य:

- दिशानिर्देशों का उद्देश्य सार्वभौमिक रूप से लागू होना है, जिसमें सभी कोचिंग संस्थान शामिल हैं, चाहे ऑनलाइन हों या ऑफलाइन। साथ ही इसमें सभी प्रकार के विज्ञापनों को शामिल किया गया है।
- इसका मुख्य फोकस कोचिंग संस्थानों को सफलता दर, चयन की संख्या और अन्य भ्रामक प्रथाओं से संबंधित झूठे दावे करने से रोकना है।

### मुख्य चर्चा बिंदु:

- समिति ने बैठक के दौरान दिशानिर्देशों के मसौदे पर चर्चा की गई।
- श्री रोहित कुमार सिंह ने CCPA की उपभोक्ता हितों की रक्षा करने और कोचिंग क्षेत्र में विज्ञापनों से संबंधित पहलुओं को संबोधित करने में स्पष्टता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता पर बल दिया।

### दिशानिर्देशों के मुख्य अंश:

- **प्रयोज्यता और दायरा:**
  - दिशानिर्देश सभी कोचिंग संस्थानों पर लागू होते हैं, चाहे उनका प्रारूप या विज्ञापन का माध्यम कुछ भी हो।
  - यह दोनों ऑनलाइन और भौतिक कोचिंग संस्थानों को शामिल करता है।
- **भ्रामक विज्ञापन के लिए शर्तें:**
  - सफल उम्मीदवारों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रमों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी छिपाना।
  - यह सफलता दर, चयन की संख्या आदि किसी भी गतिविधि के बारे में झूठे दावों को प्रतिबंधित करता है।
- **कर्तव्य और निषेध:**
  - कोचिंग संस्थानों को विज्ञापनों में विशिष्ट जानकारी शामिल करनी चाहिए, जैसे कि सफल उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त रैंक, पाठ्यक्रम विवरण, अवधि और यह पेड कोर्स है या फ्री कोर्स।
  - 100% चयन या 100% नौकरी की गारंटी जैसे दावों को सत्यापनीय साक्ष्य प्रदान किए बिना रोकता है।
  - विज्ञापनों में अस्वीकरण/प्रकटीकरण जानकारी के फ़ॉन्ट और स्थान को निर्दिष्ट करता है।
- **कानूनी निहितार्थ और प्रवर्तन:**
  - कोचिंग क्षेत्रों द्वारा भ्रामक विज्ञापनों के लिए दंड उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 द्वारा शासित होंगे।
  - दिशानिर्देश हितधारकों के लिए स्पष्टीकरण के रूप में काम करते हैं, और उल्लंघन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के मौजूदा प्रावधानों के तहत शासित होते रहेंगे।

### तात्कालिकता और की गई कार्रवाई:

- समिति ने दिशानिर्देश जारी करने की तत्काल आवश्यकता को पहचाना।
- सीसीपीए ने पहले ही 31 कोचिंग संस्थानों को नोटिस जारी करके और उनमें से 9 पर जुर्माना लगाकर भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ स्वत: संज्ञान लिया था।

**निष्कर्ष:**

यह समिति कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापनों को रोकने और उपभोक्ताओं को बेहतर सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। दिशानिर्देशों के दायरे और दंडात्मक प्रावधानों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करके, समिति उपभोक्ता हितों को बेहतर ढंग से सुरक्षित करने और कोचिंग क्षेत्र में पारदर्शिता को बढ़ावा देने में सक्षम होगी।

## वैश्विक अर्थव्यवस्था द्वारा विगत आधे दशक का सबसे कमजोर प्रदर्शन

***संदर्भ:** विश्व बैंक के अनुसार, 2024 के अंत तक, विश्व अर्थव्यवस्था तीस वर्षों में अपनी सबसे धीमी दर से बढ़ेगी, जो इस दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता को रेखांकित करती है।*

### वैश्विक आर्थिक रुझान:

- विश्व बैंक ने बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए संभावित निकट अवधि के जोखिमों की चेतावनी दी है।
- हालिया ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स अध्ययन के अनुसार, जो 9 जनवरी, 2024 को प्रकाशित हुआ था, जीडीपी वृद्धि पांच वर्षों में सबसे धीमी दर पर होगी।

### वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले कारक:

- जून 2023 की एक रिपोर्ट में विकास में बड़ी मंदी की चेतावनी दी गई और विश्व अर्थव्यवस्था की अस्थिर स्थिति पर जोर दिया गया।
- इसमें योगदान देने वाले कारकों में ब्याज दर में तीव्र वृद्धि, COVID-19 महामारी के नकारात्मक प्रभाव , यूक्रेन पर रूस का आक्रमण और उच्च मुद्रास्फीति से निपटने के लिए मौद्रिक नीति को सख्त करना शामिल है।

### वैश्विक अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति:

- पिछले वर्ष की तुलना में वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था की मजबूती के कारण वैश्विक मंदी का जोखिम कम हुआ है।
- हालांकि, कई विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए मध्यम अवधि का दृष्टिकोण खराब हो गया है जिन्हें धीमी वृद्धि, निम्न वैश्विक व्यापार और तंग वित्तीय स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है।

### वैश्विक व्यापार और उधार लेने की लागत:

- 2024 में वैश्विक व्यापार वृद्धि महामारी से पहले के दशक के औसत का आधा होने की संभवना है।
- विकासशील अर्थव्यवस्थाओं विशेष रूप से कम क्रेडिट रेटिंग वाली अर्थव्यवस्थाओं के लिए उधार लेने की लागत उच्च रहने का अनुमान है, मुद्रास्फीति-समायोजित शर्तों में वैश्विक ब्याज दरें चार दशक के उच्चतम स्तर पर हैं।

### अनुमानित वैश्विक विकास:

- वैश्विक वृद्धि लगातार तीसरे वर्ष धीमी रहने की संभावना है, जो पिछले वर्ष की 2.6% से घटकर 2024 में 2.4% हो जाएगी जो 2010 के औसत से काफी कम है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के 3.9% की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो पिछले दशक के औसत से एक प्रतिशत कम है।

➢ **कम आय वाले देशों के लिए चुनौतियाँ:**

- कम आय वाले देशों में 5.5% की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो आरंभिक अनुमान से कम है।
- 2024 के अंत तक विकासशील और कम आय वाले देशों की आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अभी भी पूर्व-कोविड महामारी स्तर से निम्न स्थिति का सामना कर रहा है ।

➢ **विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री का दृष्टिकोण:**

- विश्व बैंक समूह के मुख्य अर्थशास्त्री इंदरमीत गिल कमजोर निकट अवधि विकास पर प्रकाश डालते हैं, जिसका असर विशेष रूप से सबसे गरीब देशों पर पड़ रहा है।
- वैश्विक प्राथमिकताओं को संबोधित करने के लिए निवेश में तेजी लाने और राजकोषीय नीति के ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकारों को तत्परता से कार्य करने का सुझाव देते हैं ।

➢ **निवेश बढ़ाने का आह्वान:**

- रिपोर्ट जलवायु परिवर्तन से निपटने और 2030 तक प्रमुख वैश्विक विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विकासशील देशों द्वारा प्रति वर्ष लगभग 2.4 ट्रिलियन डॉलर के निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि की सिफारिश करती है।
- ऐसे निवेश के बिना, विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में प्रति व्यक्ति निवेश वृद्धि 2023 और 2024 के बीच औसतन 3.7% होने की उम्मीद है, जो पिछले दो दशकों की दर से लगभग आधी है।

## स्पंज एक्वाकल्चर

***संदर्भ:*** *समुद्र के तापमान में वृद्धि के साथ-साथ ज़ांज़ीबार की महिलाएं जीविका को बनाए रखने और उसे स्थिर करने के लिए समुद्री शैवाल की खेती के स्थान पर जलवायु-लचीला स्पंज की खेती को अपना रही हैं।*

➢ समुद्री स्पंज जलीय कृषि में स्पंज की नियंत्रित खेती शामिल है जिसमें दुनिया के महासागरों में विभिन्न तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

➢ प्रकाश, लवणता, पीएच, घुलित ऑक्सीजन और अपशिष्ट संचय जैसे महत्वपूर्ण कारक इस नियंत्रित वातावरण में स्पंज की वृद्धि दर को प्रभावित करते हैं।

➢ **ऐतिहासिक संदर्भ:**

- समुद्री स्पंजों की विशाल विविधता है जिसमें 8000 से अधिक प्रजातियां समुद्री और मीठे पानी के आवासों में पाई जाती हैं।
- स्पंज मछली पकड़ने का ऐतिहासिक महत्व है जो 1913 और 1938 के बीच 181 टन से अधिक वार्षिक उत्पादन और 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का उत्पादन करने वाला एक आकर्षक उद्योग बन गया।

➢ **प्रारंभिक जलकृषि चुनौतियाँ:**

- समुद्री स्पंज जलीय कृषि के शुरुआती प्रयासों को पारंपरिक स्पंज मछुआरों के प्रतिरोध और हस्तक्षेप का सामना करना पड़ा।
- वाणिज्यिक स्पंज खेती को, बाजार में प्रवेश करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और विरोध के कारण उपभोक्ताओं द्वारा इसे अपनाने में दिक्कत आई।

➢ **समुद्री स्पंज एक्वाकल्चर के लाभ:**

- समुद्री स्पंज जलीय कृषि सहजता से की जा सकती है इसके लिए न्यूनतम बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है और इसमें विकासशील देशों में आय सृजन की क्षमता है।
- इसकी प्रक्रिया की सरलता पारंपरिक पारिवारिक कृषि पद्धतियों के अनुरूप है जिसमें पूरे परिवारों की भागीदारी अवसर रहता है।

➢ **आय सृजन और व्यावसायिक उपयोग:**

- समुद्री स्पंज जलीय कृषि पूरे वर्ष आय का एक निरंतर स्रोत प्रदान करती है और इसका उपयोग स्नान ( Bath) स्पंज बनाने और जैव सक्रिय यौगिकों के निर्माण में किया जाता है।
- इसके व्यावसायिक अनुप्रयोग कॉस्मेटिक और स्नान के उद्देश्यों से लेकर औद्योगिक उपयोग तक होते हैं तथा स्पंज की गुणवत्ता उसके बाजार मूल्य को निर्धारित करती है।

➢ **नवीकृत रुचि और सतत खेती:**

- स्नान स्पंज की बढ़ती वैश्विक मांग के कारण स्पंज पालन में रुचि का पुनरुत्थान हुआ है।
- माइक्रोनेशिया में सतत खेती जैसे विशिष्ट मामले समुद्री स्पंज पालन की निरंतरता सुनिश्चित करते हैं।

➢ **स्पंज वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक:**

- स्पंज वृद्धि को प्रभावित करने वाले आवश्यक कारकों में लवणता, पीएच मान , तापमान, प्रकाश और घुलित ऑक्सीजन शामिल हैं।
- रोग का प्रकोप, प्रभावी अपशिष्ट हटाने के तरीके और सावधानीपूर्वक साइट चयन भी समुद्री स्पंज पालन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

➢ **खेती के तरीके:**

- स्पंज पालन के लिए सामान्य तरीकों में रस्सी विधि और जाल बैग विधि शामिल हैं।
- पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने और अपशिष्ट निर्वहन के प्रभाव को कम करने के लिए एकीकृत बहु-पोषी जलीय कृषि प्रणालियों को लागू किया जाता है।

➢ **विशिष्ट मामला: माइक्रोनेशिया में बाथ स्पंज एक्वाकल्चर:**

- माइक्रोनेशिया स्थायी रूप से खेती वाले समुद्री स्पंज का उत्पादन करने वाले क्षेत्र के रूप में सामने आता है जो कम निवेश लागत और प्राकृतिक प्रसंस्करण विधियों को नियोजित करने पर जोर देता है।
- रस्सी विधि का उपयोग करके स्पंज कोस्किनोडर्मा मैथ्यूसी की खेती इस संदर्भ में समुद्री स्पंज जलीय कृषि के सफल अनुप्रयोग को दर्शाती है।

➢ **बायोएक्टिव स्पंज एक्वाकल्चर:**

- चल रहे अनुसंधान का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में समुद्री स्पंजों में बायोएक्टिव मेटाबोलाइट्स के उत्पादन के तरीकों को अनुकूलित करना है।
- नई खेती के तरीके, जैसे "मेष सरणी विधि", इष्टतम बायोएक्टिव मेटाबोलाइट उत्पादन के लिए आवश्यक स्पंज की संख्या को कम करते हैं।

➢ **मेटाबोलाइट उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारक:**

- प्रकाश की तीव्रता, जैव-प्रदूषण और पर्यावरणीय परिवर्तन सहित विभिन्न कारक, समुद्री स्पंज में मेटाबोलाइट जैवसंश्लेषण को प्रभावित करते हैं।
- इन कारकों को समझने से मेटाबोलाइट उत्पादन और समग्र उपज को अधिकतम करने के लिए प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

# NEWS IN BETWEEN THE LINES

## केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण

हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापनों पर दिशानिर्देश तैयार करने के लिए गठित समिति की पहली बैठक संपन्न कर ली है।

**केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के बारे में:**

- केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) एक नियामक प्राधिकरण है जिसे वर्ष 2019 में स्थापित किया गया था।
- इसका उद्देश्य अनुचित व्यापार प्रथाओं और भ्रामक विज्ञापनों को विनियमित करके उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा करना है।
- यह उपभोक्ता अधिकारों को लागू करने और उसमें सुधार करने संबंधी दिशानिर्देश भी जारी करता है।
- यह उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत अपना कार्य करता है।
- इसमें केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त सदस्य शामिल होते हैं, जिनमें एक मुख्य आयुक्त और दो आयुक्त शामिल हैं (एक आयुक्त वस्तु संबंधी समस्याओं का प्रतिनिधित्व करेगा, जबकि दूसरा सेवा संबंधी समस्याओं का प्रतिनिधित्व करेगा)।
- केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण का मुख्यालय नई दिल्ली में है और भारत के अन्य हिस्सों में इसके क्षेत्रीय और अन्य कार्यालय हैं।

## सिसल की पत्तियाँ

हाल ही में, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक विशेषज्ञ टीम ने अपने एक शोध के दौरान यह पाया, कि सिसल पत्तियों का उपयोग करके एक अवशोषक सामग्री का निर्माण किया जा सकता है। यह अवशोषक सामग्री सैनिटरी नैपकिन में कपास, लकड़ी के गूदे और रासायनिक अवशोषक की जगह ले सकता है।

**सिसल पत्तियों के बारे में:**

- सिसल शतावरी परिवार का सदस्य है और यह अर्ध-बारहमासी पत्तियों वाला एक फाइबर उत्पादक पौधा है।
- सिसल की पत्तियाँ कड़ी, हरी और तलवार जैसी होती हैं साथ ही उनमें असाधारण स्थायित्व होता है।
- ये पत्तियाँ अपनी रसीली प्रकृति के कारण पानी जमा करती हैं, जिससे सिसल पौधे सूखा प्रतिरोधी बन जाते हैं।
- प्रत्येक सिसल पौधा आमतौर पर 7-10 वर्षों के अपने जीवनकाल के दौरान लगभग 200-250 फाइबर पत्तियाँ उत्पन्न करता है।
- सिसल फाइबर का उपयोग रस्सियाँ, कागज, कपड़ा और अब, मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों के लिए अत्यधिक शोषक सामग्री बनाने के लिए किया जाता है।
- एज़्टेक और माया सभ्यताएं सिसल के पत्तों से कागज बनाने वाली पहली सभ्यताओं में से एक थीं।
- सिसल की पत्तियों का उपयोग ऐतिहासिक रूप से विभिन्न प्रयोजनों के लिए किया जाता रहा है, जैसे सुतली, कपड़ा, कालीन बनाना और यहां तक कि, एक आसुत मादक पेय के उत्पादन में भी इसका उपयोग किया जाता रहा है।
- ब्राज़ील सिसल की पत्तियों का सबसे बड़ा उत्पादक है, इसके बाद तंजानिया, केन्या, मेडागास्कर और चीन का स्थान आता है।

## नैनोप्लास्टिक

हाल ही में एक अमेरिकी अध्ययन में, बोतलबंद पीने के पानी में कई नैनोप्लास्टिक कण पाए गए हैं।

**नैनोप्लास्टिक के बारे में:**

- नैनोप्लास्टिक 1 माइक्रोमीटर से छोटे प्लास्टिक के कण होते हैं, जो माइक्रोप्लास्टिक से काफी छोटे होते हैं।
- यह बड़ी प्लास्टिक सामग्री के टूटने से बनते हैं और वे कितने छोटे हो सकते हैं इसकी कोई सैद्धांतिक सीमा नहीं है।
- यह बड़े माइक्रोप्लास्टिक की तुलना में मानव स्वास्थ्य के लिए अधिक जोखिम उत्पन्न करते हैं।
- अपने छोटे आकार के कारण, नैनोप्लास्टिक आंतों और फेफड़ों को पार कर संभावित रूप से रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं और हृदय एवं मस्तिष्क तक पहुंच सकते हैं।
- हाल के अध्ययनों में बोतलबंद पीने के पानी में नैनोप्लास्टिक की अत्यधिक मात्रा पाई गई है, जो प्रति लीटर 110,000 से 370,000 कणों तक है।
- यह मात्रा पहले के अनुमानों की तुलना में काफी अधिक (10 से 100 गुना) है, जिससे बोतलबंद पानी की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई है।
- उद्दीप्त रमन स्कैटरिंग माइक्रोस्कोपी जैसी विश्लेषणात्मक तकनीकें नैनोप्लास्टिक की पहचान और अध्ययन में सहायता करती हैं

## रोगजनक कवक

हाल ही में, वैज्ञानिकों ने नीलगिरी के जंगलों को विनाशकारी कीटों से बचाने में मदद करने के लिए एक प्राकृतिक रोगजनक कवक की पहचान की है।

**रोगजनक कवक के बारे में:**

- रोगजनक कवक प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले एक ऐसे जीव हैं जो कीड़ों और कभी-कभी पौधों को संक्रमित कर उनमें बीमारियों का कारण बनते हैं।
- ये प्राकृतिक जैव नियंत्रण एजेंटों के रूप में कार्य करते हैं, अन्य जीवों या पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना केवल विशिष्ट कीटों को ही लक्षित करते हैं।
- इनका उपयोग एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) रणनीतियों के लिए जैव-कीटनाशकों के विकास में किया जाता है।
- ये कवक हानिकारक रसायनों पर निर्भरता को कम करते हुए, रासायनिक कीटनाशकों का पर्यावरण-अनुकूल विकल्प प्रदान करते हैं।
- ब्यूवेरिया बैसियाना और मेटारिज़ियम एनिसोप्लिया जैसे कवक, कीटों की आबादी को नियंत्रित करने में उनकी प्रभावशीलता के लिए जाने जाते हैं।
- इन कवकों का उपयोग कृषि, वानिकी और यहां तक कि शहरी कीट प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भी किया जाता है।

<table>
<tr><td>सुर्खियों में स्थल<br><br>मॉरीशस</td><td>हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संयुक्त लघु उपग्रह के विकास पर सहयोग के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और मॉरीशस रिसर्च एंड इनोवेशन काउंसिल (एमआरआईसी) के बीच समझौता ज्ञापन को मंजूरी दे दी है।<br>मॉरीशस (राजधानी: पोर्ट लुइस)<br>▪ अवस्थिति: मॉरीशस अफ्रीका के दक्षिण-पूर्वी तट पर मेडागास्कर के पूर्व में हिंद महासागर में अवस्थित एक द्वीप है।<br>महत्व:<br>▪ इसे लगातार सबसे शांतिपूर्ण अफ्रीकी देश के रूप में मान्यता दिया जाता रहा है।<br>▪ ले मोर्ने ब्रैबेंट, मॉरीशस के दक्षिण-पश्चिम में 556 मीटर ऊंचा पर्वत, जो कि दासता विरोधी प्रतीक है; एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।<br>▪ अरबों द्वारा खोजे गए मॉरीशस; पुर्तगाली और डच नाविकों की यात्राओं का स्थल रहा है, जिससे इसके ऐतिहासिक महत्व में योगदान हुआ।<br>▪ मॉरीशस वेस्टमिंस्टर संसदीय प्रणाली का पालन करता है, जो इसके शासन मॉडल को दर्शाता है।<br>▪ 1968 में मॉरीशस के स्वतंत्र होने से पहले, 1948 में ही मॉरीशस और भारत ने राजनयिक संबंध स्थापित कर लिए हैं।<br> <br></td></tr>
<tr><td>समाचारों में व्यक्तित्व<br><br>राशिद खान</td><td>राशिद खान (1 जुलाई 1968 - 9 जनवरी 2024)<br> <br>▪ हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक और संगीत उस्ताद राशिद खान का जन्म उत्तर प्रदेश के बदायूँ जिले में हुआ था।<br>▪ उन्होंने अपना प्रारंभिक प्रशिक्षण अपने नाना उस्ताद निसार हुसैन खान (1909-1993) से प्राप्त किया था।<br>योगदान:<br>▪ उन्होंने शुद्ध हिंदुस्तानी संगीत को प्रचलित संगीत शैलियों के साथ मिलाने का प्रयोग किया - उदाहरण के लिए, सूफी फ्यूजन रिकॉर्डिंग (नैना पिया से-अमीर खुसरो) में या पश्चिमी वाद्ययंत्र वादक लुई बैंक्स के साथ प्रयोगात्मक संगीत कार्यक्रमों में।<br>▪ उन्होंने वर्ष 2004 से 2019 तक हिंदी और बंगाली फिल्मों में कई गानों को अपनी आवाज दी। इनके सबसे लोकप्रिय गाने निम्नलिखित हैं:<br>o वर्ष 2007 में जब वी मेट का 'आओगे जब तुम साजना',<br>o वर्ष 2010 में 'माई नेम इज़ खान' का 'अल्लाह ही रहेम' और<br>o वर्ष 2018 में फिल्म 'मंटो' का 'बोल के लब आज़ाद हैं'।<br>पुरस्कार और सम्मान:<br>▪ इन्हें वर्ष 2006 में पद्म श्री और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार सहित कई अन्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।<br>▪ वर्ष 2022 में उन्हें देश के तीसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।<br>▪ पश्चिम बंगाल सरकार ने उस्ताद राशिद खान को बंग विभूषण और संगीत महासम्मान से भी सम्मानित किया है।</td></tr>
</table>

## POINTS TO PONDER

- संसद रत्न पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में से एक सुकांत मजूमदार किस राजनीतिक दल से संबंधित हैं? **- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)**
- उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व किस राज्य में स्थित है? **- छत्तीसगढ़**
- क्यौकप्यु (Kyaukpyu) SEZ, म्यांमार में गहरे समुद्री बंदरगाह का विकास किसके द्वारा किया जा रहा है? **- चीन**
- शेख हसीना, जिन्होंने हाल ही में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के रूप में लगातार चौथी बार रिकॉर्ड जीत दर्ज की है, किस राजनीतिक दल से संबद्ध हैं? **- अवामी लीग**
- हाल ही में बोइंग द्वारा अमेरिकी नौसेना को सौंपा गया ओर्का किस प्रकार का वाहन है? **- बिना चालक दल वाला समुद्री वाहन**